19

मापन

27THJ2

फातिमा अपने पिता की दुकान पर सामान बेचने में उनका हाथ बँटा रही है। किसान 5 हाथ रस्सी माँगता है। उसके पिता किसान को हाथ से नापकर रस्सी देते हैं। फातिमा सोचती है क्या इस तरह से भी नाप सकते हैं। वह अपने पिता से पूछती है कि क्या हम लंबाई को हाथ से भी नाप सकते हैं?

हाँ बेटी, लंबाई को इस तरह भी नापा जा सकता है। जैसे– हाथ द्वारा, बालिश्त (बित्ता) द्वारा, अँगुलियों द्वारा और कदम द्वारा भी नापते हैं।

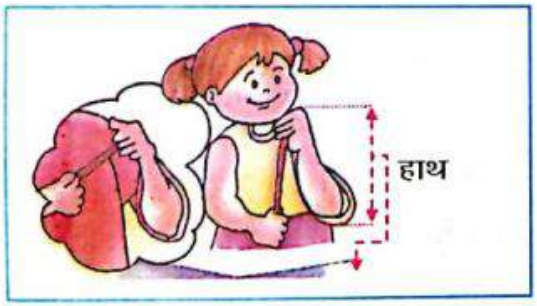

शिक्षक हाथ, कदम, बालिश्त तथा अँगुलियों से अलग–अलग नापकर दिखाएँ तथा बच्चों को भी स्वयं नापने के अवसर दें। मापन की अमानक इकाइयों की समझ विकसित करें।

1. अब तुम भी नापो और लिखो–

- अपने घर से पड़ोस के घर की दूरी– (कदम से) .....
- अपनी गणित की पुस्तक की लंबाई–(बालिश्त से) .....
- अपने पेंसिल बॉक्स की चौड़ाई– (अंगुल से) .....
- अपने घर के कमरे की चौड़ाई– (हाथ से)

2. नीचे दी गई लंबाइयों को आप किससे नापेंगे–

लंबाई	किससे नापेंगे
क्रिकेट बैट की चौड़ाई	.....
अपनी पेंसिल की लंबाई	.....
अपनी कक्षा से हैंडपंप की दूरी	.....
अपने कक्षा–कक्ष की लंबाई	.....
अपनी टाट–पट्टी की लंबाई	.....
अपनी चारपाई की लंबाई	.....

3. अनुमान लगाओ फिर जाँचो–

वस्तु का नाम व चित्र	मेरा अनुमान	नापने पर
बाल्टी की ऊँचाई	.....	.....
गिलास	.....	.....
मेज की ऊँचाई	.....	.....
पानी की बोतल की ऊँचाई	.....	.....

- शिक्षक बच्चों को इस बात के लिए प्रेरित करें कि अपने परिवेश की अलग–अलग वस्तुओं को अलग–अलग अमानक इकाइयों से नापें। ।

पैटर्न समझो

आगे बढ़ाओ–

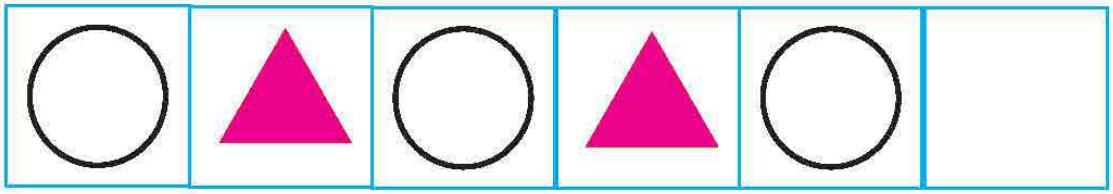

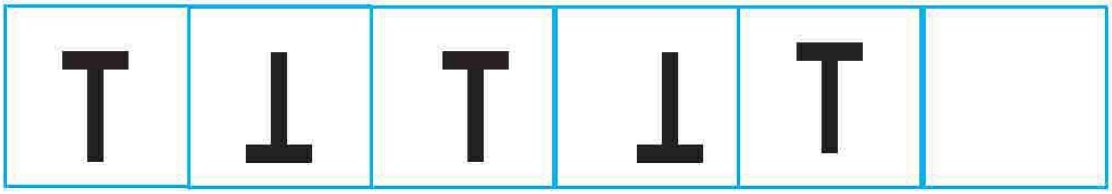

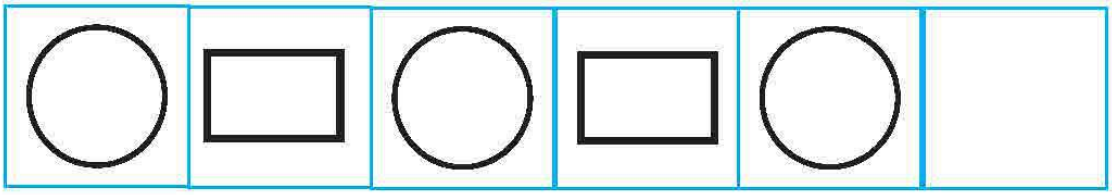

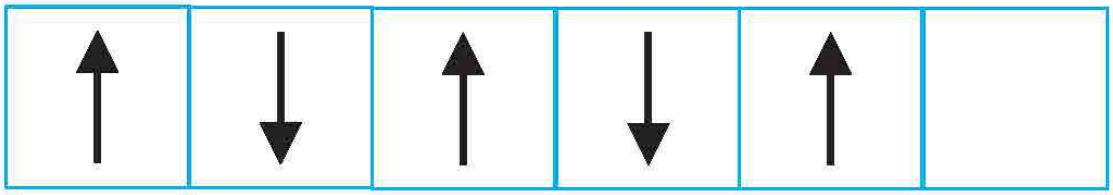

बच्चों को इसी प्रकार के विभिन्न पैटर्न पहचानने का अभ्यास कराएँ।